Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 5

कांग्रेस प्रणाली चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1947 → भारत आजाद

I^{st} PM – पं. J. L. Nehru [1947 – 64]

1964 – पद पर मृत्यु

समाधि स्थल – शांति उपवन

– कार्यवाहक PM

गुलजारी लाल नंदा

योजना आयोग के I^{st} उपाध्यक्ष

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कांग्रेस अध्यक्ष – K. कामराज
↓
लाल बहादुर शास्त्री → भारत के शांति जनक
↓
1964-66 → "जय जवान – जय किसान" नारा
जय विज्ञान – अटल जी
जय अनुसंधान – नरेन्द्र मोदी

1965-67
|
अकाल
|
खाद्यान्न संकट
– श्याम सरण नेगी
|
1st वोट

– 1965 – पाक द्वारा भारत पर आक्रमण
↓
10 Jan. 1966 – ताशकंद समझौता
11 Jan. 1966 – पद पर मृत्यु

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- गहन हो चली राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में कांग्रेस को अपना प्रभुत्व बरकरार रखने में आ रही मुश्किलें।
- नेहरू के बाद राजनीति ने क्या करवट ली?
- विपक्ष की एकता और खुद के बिखराव ने कांग्रेस प्रभुत्व को कैसे दी चुनौती?
- इंदिरा गांधी के नेतृत्व में एक नयी कांग्रेस किस तरह इन चुनौतियों से उबरी?
- कैसे नयी नीतियों तथा विचारधाराओं ने कांग्रेस प्रणाली की पुर्नवापसी की?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1962
- भारत-चीन युद्ध

1965
- भारत-पाक युद्ध

1965-67
- अकाल

1964-नेहरू, 1966 शास्त्री

- 1969 - कांग्रेस का विभाजन
- 1960-70 - तीव्र वृद्धि दर

1964 नेहरू की मृत्यु

- 1960 का दशक 'खतरनाक दशक'
  - गरीबी, गैर–बराबरी, साम्प्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन के सवाल अनसुलझे
- देश के सामने अनेक चुनौतियां
  - नया नेतृत्व इनका समाधान करने में सक्षम होगा?
- बाकी बहुत से नव–स्वतंत्र देशों की तरह भारत भी राजनीतिक उत्तराधिकार का सवाल लोकतांत्रिक ढंग से हल नहीं कर पायेगा।
  - असफल
    - सेना राजनीतिक भूमिका में
- नेहरू के राजनीतिक उत्तराधिकार को लेकर बड़े अंदेशे।
  - लोकतंत्र कायम रह पायेगा नहीं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जीवनवृत्त – शास्त्री

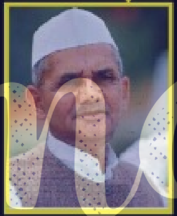

- नेहरू के मंत्रिमंडल में कई वर्षों तक मंत्री
  - उनको लेकर कभी कोई विवाद नहीं
- अपनी सादगी और सिद्धांत निष्ठा के लिए प्रसिद्ध

नेहरू के बाद शास्त्री

- कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के. कामराज ने पार्टी के नेताओं से मशविरा किया
  - सभी लाल बहादुर शास्त्री के पक्ष में
    - शास्त्री कांग्रेस संसदीय दल के निर्विरोध नेता चुने गये।
      - भारत के प्रधानमंत्री बनें
- आलोचक ठगे से रह गये

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

शास्त्री जी की मृत्यु के बाद

कार्यवाहक PM – गुलजारी लाल नंदा (13 दिन)

शास्त्री जी का कार्यकाल (1964–1966)

- देश के सामने बड़ी चुनौतियां
  - मानसून की असफलता
    - खाद्यान्न का गंभीर संकट
  - भारत–चीन युद्ध से उत्पन्न हुई कठिनाईयां
  - 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध
- 10 जनवरी 1966 को ताशकंद में अचानक देहांत

शास्त्री जी का नारा

'जय जवान जय किसान'